मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKG–171

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.जी.–171 : भारतीय सौन्दर्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5×15=75

(क) सौन्दर्य की परिभाषा देते हुए भारतीय सौन्दर्य दर्शन पर प्रकाश डालिए।

(ख) साहित्यशास्त्र के अनुसार भाव-विभाव एवं अनुभावों को स्पष्ट कीजिए।

(ग) रसों की संख्या बताते हुए शृंगार एवं हास्य रसों की उत्पत्ति को समझाइए।

(घ) साहित्य में प्रमुख सौन्दर्यात्मक तत्व 'वक्रोक्ति' को समझाइए।

(ङ) सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टिकोण से 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' की विवेचना कीजिए।

(च) सौन्दर्यशास्त्रीय विचारक आचार्य भरत, आनन्दवर्द्धन एवं अभिनवगुप्त की कृतियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5\times5=25$

(क) अनुभाव

(ख) भट्टलोल्लट का रस सिद्धान्त

(ग) हास्यरस के भेद

(घ) आचार्य विश्वनाथ

(ङ) क्षेमेन्द्र

(च) रस के भेद

× × × × ×